स्त्री शिक्षा की समस्याओं के संदर्भ में शिक्षकों का अभिमत

डॉ0 रंजना गुप्ता

श्रीमती रेखा

शोध कार्य में मुख्य उद्देश्य स्त्री शिक्षा की समस्याओं के संदर्भ में शिक्षकों के अभिमत का अध्ययन करना। आंकड़ों का संकलन एक मतावली के द्वारा किया गया। मतावली का प्रशासन प्राथमिक स्तर पर कार्यरत शिक्षकों पर किया गया। परिणामों स्पष्ट है कि विद्यालयों का दूर–दराज इलाकों में होना, माता–पिता का अशिक्षित होना, परिवार की आर्थिक स्थिति खराब होना, उचित पाठ्यक्रम न होना, अध्यापिकाओं की कमी और यातायात के साधनों की उचित व्यवस्था न होना बालिका शिक्षा की प्रगति में मुख्य रूप से बाधक है। स्त्री शिक्षा की समस्याओं में सरकारी प्रयासों में उदासीनता से सम्बन्धित कारणों में पुरुष अधिकारी होने के कारण स्त्री की समस्या को न तो समझना और न ही रूचि लेना सबसे प्रमुख समस्या है जिसे अधिकांश शिक्षकों ने महसूस किया है।